

क्रमांक 19

दिनांक 09.05.21

प्रति,

माननीय मूपेश बघेल जी
मुख्य मंत्री छ. ग. शासन रायपुर

विषय :- कोरोना नियंत्रण हेतु ट्रेसिंग, ट्रेसिंग एवं
रीट्रेस के लिए सुझाव पत्र।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि छ. ग.
में कोरोना महामारी बहुत ज्यादा फैल रहा है उससे
बचाव के लिए निम्न उपाय किया जाए जिससे कोरोना
के संक्रमण को नियंत्रण किया जा सके -

ट्रेसिंग - ① ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत को एवं नगरीय
क्षेत्रों में वार्ड को माइक्रोजोन बनाया जाए एवं
पंचायत स्तर में सरपंचों की अध्यक्षता में 4-5 लोगों
का टीम बनाया जाए जिसमें सरपंच, पंच, सचिव
एवं मित्राणिन हो एवं नगरीय क्षेत्रों में पार्श्वद्वीकी
अध्यक्षता में टीम बनाया जाए। ये टीम अपने 2 क्षेत्रों
में घूम जाकर प्रत्येक नागरिक का रेन्डम परीक्षण
करें एवं परीक्षण करते समय फोटोशॉट लें।

② यह परीक्षण 4-4 दिनों के अन्तर में 2-3 सप्ताह
तक किया जाए जिससे कोरोना संक्रमण का फैलाव
को रोक जा सके, कोरोना नियंत्रण होने के पश्चात
1-1 माह में यह परीक्षण होता रहे जिससे भविष्य में
कोरोना की तीसरी लहर भी नियंत्रित रहे।

③ उपरोक्त कार्य को संचालित करने के लिए ग्राम पंचायत
स्तर पर मूलभूत योजना एवं शहरी क्षेत्रों में पार्श्व
विभास निधि का उपयोग किया जाए जिससे सरकार का आर्थिक



क्रमांक १

दिनांक _____

बोझ कम हो सके।

- ट्रेसिंग - ① ग्राम पंचायत स्तर के लिए जनपद पंचायत C.E.O. को एवं नगरीय क्षेत्रों में C.M.O/न.मि कमिश्नर को जोन अधिकारी बनाया जाए होने प्रकार के जोन अधिकारी अपने अधीनस्थ टीम के साथ समन्वय बनाकर टीम के कार्यों का सतत निगरानी करें
- ② ट्रेसिंग टीम के द्वारा संदेही मरीजों की जानकारी अपने जोन अधिकारियों को दें और जोन अधिकारी स्वास्थ्य परीक्षण स्थल तक मरीजों को पहुंचाने का प्रबंध कर मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करें।
- ③ प्रदेश के बहुत से क्षेत्रों में देखा गया है कि संदेही मरीजों के द्वारा अधिकारियों के साथ दुराभ्यवहार भी कहीं-२ करते हैं, ऐसे स्थिति में ट्रेसिंग एवं टेरिफिंग टीम के साथ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए।
- ④ संदेही मरीजों को लक्षण के आधार पर डॉ. परीक्षण करें एवं आवश्यक हो तो कोरोना टेस्ट करें या अन्य किसी बीमारी का लक्षण दिखने पर अन्य बीमारी का टेस्ट करें क्योंकि प्रदेश में कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि वायरल फीवर या अन्य साधारण फलू वाले मरीज भी कोरोना टेस्ट कराने के लिए लाइन में लगते हैं जिसके कारण संक्रमण और ज्यादा फैल रहा है साथ ही कोरोना टेरिफिंग की रू की कमी भी हो रही है।

टीटमेंट - ① प्रदेश के हर विकासखंड स्तर पर कोविड हॉस्पिटल का संचालन करने सुनिश्चित करें जिससे जिला मुख्यालय के हॉस्पिटल में मरीजों का दबाव कम किया जा सके एवं आसानी से सभी मरीजों के लिए बेड एवं अन्य सुविधा सुनिश्चित हो सके।



क्रमांक १२

3

दिनांक

- (2) होम आइसोलेशन में रहने वाले कोरोना मरीजों के घरवालों में भी संक्रमण फैलते देखा गया है क्योंकि अधिकांश मरीजों का मतलब दोगे 2 होने के कारण जो कि 19 नियमों का पालन नहीं कर पाते, ऐसे स्थिति में आइसोलेशन की व्यवस्था विकासखंड स्तर पर किया जाए जिसके लिए लगभग 500 विस्तर का आइसोलेशन सेंटर बनाया जाए, जिसमें विस्तर एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था शासकीय द्वायाओं से लिया जाए जिसे सरकार का पैसा एवं आइसोलेशन सेंटर निर्माण में समय भी बचेगा।
- (3) कोरोना के मरीजों को लक्षण के आधार पर 3 श्रेणियों में विभक्त किया जाए, सामान्य मरीजों को विकासखंड स्तर के आइसोलेशन सेंटर में रखा जाए एवं उससे उपर के मरीजों को विकासखंड स्तर के कोरोना हॉस्पिटलों में उपचार किया जाए और कोरोना के गंभीर मरीजों को जिला मुख्यालय में इलाज किया जाए जिसे सभी मरीजों को निगरानी डॉक्टरों द्वारा आसानी से किया जा सके।
- (4) जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को उनकी प्रशासनिक जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाए एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी के प्रशासनिक कर्तव्यों की जिम्मेदारी अपर कलेक्टर रैंक के अधिकारियों को दिया जाए क्योंकि प्रशासनिक अधिकारियों की प्रबंध क्षमता एवं कार्य को निगरानी करने का लक्ष्य बेहतर होता है, सभी डॉक्टरों को सिर्फ मरीजों का उपचार एवं इससे संबंधित कार्य ही दिया जाए।
- (5) तहसील स्तर पर आने वाले ट्रेनिंग, ट्रेनिंग एवं ट्रेनिंग के कार्य की समन्वय एवं निगरानी का कार्य संबंधित तहसील के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को दिया जाए।



क्रमांक १३

(4)

दिनांक _____

- ⑥ वैक्सिन के समस्त परिवहन प्रशासकीय कार्य एवं लिपिनीय कार्य की जिम्मेदारी में शिक्षकों को लगाया जाए, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी सिर्फ वैक्सिन लगाने का कार्य करें।

आशा करता हूँ आपने भेरा यह सुभाव पसंद आया होगा कृपया अधिकाधिक से अधिक कोशिशें भरीजों के संग्रहण पर नियंत्रण करने के लिए यह प्रभावी कदम उठाने की कृपा करें।

धन्यवाद

प्रवीण दुबे

आपका निवेदक
प्रवीण कुमार दुबे